1

वंदना

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ—**

क. प्रभु से क्या देने की प्रार्थना की गई है?

i. सम्मान ☐ ii. वरदान ☑ iii. झोली ☐

ख. किसकी सेवा में अपना सब कुछ बलिदान करने की बात कही गई है?

i. गुरुजनों की ☐ ii. भारत माता की ☑ iii. पिता की ☐

ग. हमें किस मार्ग पर डटे रहना चाहिए?

i. कर्तव्य ☑ ii. बलिदान ☐ iii. अभिमान ☐

घ. हमें कैसा बनना चाहिए?

i. नम्र ☑ ii. अभिमानी ☐ iii. सुखी ☐

4. **सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—**

कभी किसी का बुरा न चाहें ....,
........संकट........ देख न छोड़ें राहें।
........भारत माता........ की सेवा में,
अपना सब कर दें ....बलिदान........।
कृपा सदा यह करना ....हम पर........,
........मानवता........ के आएँ काम।

इन पर विचार करो

1. आप प्रतिदिन ईश्वर से क्या प्रार्थना करते हैं? सोचकर बताइए।
2. मानवता की सेवा के लिए आप क्या करना चाहते हैं? बताइए।

प्रशंसा-योग्य

- कविता में बालक ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि ईश्वर उसपर कृपा करके उसे इतना सबल बना दे कि वह देश-सेवा, मानवता की सेवा और सभी के हित के लिए कार्य कर सके। कर्तव्य-मार्ग पर चलते हुए सदा देश की शान बढ़ाने के काम करे।

जानी-अनजानी बातें

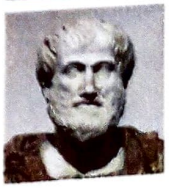

क्या आप जानते हैं?

- जिस शिक्षा से हम अपने जीवन का निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें, वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।
  —स्वामी विवेकानंद
- अच्छा व्यवहार सभी गुणों का सार है।
  —अरस्तु

भाषा से

श्रुतलेख

प्रभु, कृपा, झोली, संकट, बलिदान, नम्र, कर्तव्य, अभिमान, देश-प्रेम

1. तुकांत शब्द

हे प्रभु! हमको दो **वरदान**,

सब पर कर दो कृपा **महान**।

कविता की इन पंक्तियों के अंतिम शब्दों में एक जैसी ध्वनि है, ये तुकांत शब्द कहलाते हैं। **कविता में प्रयुक्त ऐसे अन्य शब्दों को खोजकर लिखो।**

2. **देखो, समझो और शब्द बनाओ—**

ृ	– कृषक	कृषि	सृष्टि	सृजन
र्‍	– कर्म	शर्म	दर्द	मर्द
्र	– प्रकाश	नम्र	प्रभाव	प्राण

3. **नीचे दिए शब्दों के पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखो—**

ईश्वर घमंड मुसीबत लड़का राष्ट्र मान

क.	बालक –	लड़का	घ.	संकट –	मुसीबत
ख.	प्रभु –	ईश्वर	ङ.	देश –	राष्ट्र
ग.	अभिमान –	घमंड	च.	सम्मान –	मान

4. **उलटे अर्थवाले शब्दों के जोड़े बनाओ—**

वरदान अपमान समान घटाना अभिशाप बुरा दुख
सुख असमान सम्मान अच्छा बढ़ाना

वरदान	×	अभिशाप	घटाना	×	बढ़ाना
अपमान	×	सम्मान	बुरा	×	अच्छा
समान	×	असमान	दुख	×	सुख

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. ए०पी०जे० अब्दुल कलाम न केवल एक राष्ट्रपति और एक वैज्ञानिक थे, अपितु मानवता के सेवक थे। उनके बारे में पता लगाओ और उनके कामों की सूची बनाओ।

2. मानवता की सेवा को दर्शाता एक चित्र बनाओ और अपने सहपाठियों एवं अपनी अध्यापिका को दिखाओ।

3. एक चार्ट पेपर पर 'मानवता की सेवा' में मदर टेरेसा के योगदान पर पाँच वाक्य लिखो और मदर टेरेसा का चित्र चिपकाओ।

4. वैज्ञानिक और सैनिक देश की सेवा करते हैं। आप भविष्य में किस प्रकार मानवता की सेवा करना चाहते हैं? सोचिए और अपने विचार लिखकर कक्षा में सुनाइए।

हमने क्या सीखा

1. मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है।
2. सदैव दूसरों का हित करना चाहिए।
3. संकटों से नहीं घबराना चाहिए।
4. देश की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।